TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 216
दि. 07.12.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी ने की 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' के टैग की आलोचना, कहा- ये गुलामी की मानसिकता का था प्रतिबिंब, बड़ी बातें

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत उच्च विकास और निम्न मुद्रास्फीति का एक मॉडल है। इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में देश की 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर दशार्ती है कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बन रहा है। जानें पीएम मोदी ने और क्या कुछ कहा, बड़ी बातें।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के 23वें संस्करण को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पिछले शासन मॉडल और औपनिवेशिक मानसिकता की तीखी आलोचना की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह मानसिकता कई वर्षों तक भारत की प्रगति में बाधक बनी रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। कुछ लोग भारत को वैश्विक ग्रोथ इंजन कहते हैं। कुछ इसे ग्लोबल पावरहाउस कहते हैं।

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' पर क्या बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत के बारे में कई शानदार बातें कही जा रही हैं। लेकिन आज भारत की तेजी से ग्रोथ को देखते हुए, क्या आपने कभी कहीं पढ़ा है या किसी को इसे 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' कहते सुना है? जब भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है, तो क्या अब कोई इस शब्द का इस्तेमाल करता है?

'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल तब किया गया था जब भारत 2-3 प्रतिशत की ग्रोथ रेट के लिए संघर्ष कर रहा था। उन्होंने कहा कि ये गुलामी की मानसिकता का प्रतिबिंब था। एक पूरे समाज, एक पूरी परंपरा को, अन-प्रोडक्टिविटी का, गरीबी का पर्याय बना दिया गया। यानी ये सिद्ध करने का प्रयास किया गया कि भारत की धीमी विकास दर का कारण हमारी हिंदू सभ्यता और संस्कृति है।

'कोई भी देश बिना आत्मविश्वास के आगे नहीं बढ़ सकता'

पीएम मोदी ने कहा कि हद देखिए, आज जो तथाकथित बुद्धिजीवी हर चीज में, हर बात में सांप्रदायिकता खोजते रहते हैं, उनको हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ में सांप्रदायिकता नजर नहीं आई। ये टर्म उनके दौर में किताबों का, रिसर्च पेपर्स का हिस्सा बना दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज के भारत की ये यात्रा, सिर्फ विकास की नहीं है। ये सोच में बदलाव की भी यात्रा है, ये मनोवैज्ञानिक पुनर्जागरण, साइकोलॉजिकल रेनसां की भी यात्रा है। आप भी जानते हैं, कोई भी देश बिना आत्मविश्वास के आगे नहीं बढ़ सकता है।

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति... पीएम मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से लंबी गुलामी ने भारत के इसी आत्मविश्वास को हिला दिया था, और इसकी वजह थी गुलामी की मानसिकता। गुलामी की ये मानसिकता विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में एक बहुत बड़ी रुकावट है और इसलिए, आज का भारत गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पाने के लिए काम कर रहा है।

ट्रासफॉर्मिंग टुमारो का जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में भाग लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस बार समिट की थीम 'ट्रांसफॉर्मिंग टुमॉरो' है। उन्होंने कहा कि जब हम ट्रांसफॉर्मिंग टुमॉरो की चर्चा करते हैं तो देश को यह भरोसा मिलता है कि भारत में हो रहा परिवर्तन केवल संभावनाओं की बात नहीं है, बल्कि यह बदलते हुए जीवन, बदलती हुई सोच और बदलती हुई दिशा की सच्ची गाथा है।

आज दुनिया अनिश्चितताओं से भरी : ढट

पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारे संविधान के मुख्य शिल्पी डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जी का परिनिर्वाण दिवस भी है। मैं सभी भारतीयों की तरफ से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आज हम उस मुकाम पर खड़े हैं, जब 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इन 25 सालों में दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आर्थिक संकट देखा है, महामारी देखी है। हमने बिखरती हुई दुनिया भी देखी है। ये सारी स्थितियां किसी न किसी रूप में दुनिया को चुनौती दे रही हैं। आज दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है, लेकिन अनिश्चितताओं से भरे इस दौर में हमारा भारत एक अलग ही लीग में दिख रहा है।

भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है: पीएम मोदी

उन्होंने बताया कि भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है। जब दुनिया में स्लोडाउन की बात होती है, तब भारत ग्रोथ की कहानी लिखता है। जब दुनिया में ट्रस्ट का क्राइसेस दिखता है, तब भारत ट्रस्ट का पिलर बन रहा है। अभी कुछ दिन पहले क्वार्टर टू के जीडीपी फिगर आए हैं। 8 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ रेट हमारी प्रगति की नई गति का प्रतिबिंब है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक नंबर नहीं है, यह संदेश है कि भारत आज ग्लोबल इकॉनमी का ग्रोथ ड्राइवर बन रहा है। यह तब है जब ग्लोबल ग्रोथ 3 प्रतिशत के आसपास है। जी-7 की इकॉनमी औसतन 1.5 प्रतिशत के आसपास है। इन हालातों में भारत हाई ग्रोथ और लो इन्फ्लेशन का मॉडल बना है।

आज का यह भारत खुद भी ट्रांसफॉर्म हो रहा: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि एक समय जब हमारे देश में इकॉनोमिस्ट हाई इन्फ्लेशन को लेकर चिंता जताते थे, आज वे लो इन्फ्लेशन की बात करते हैं। भारत की ये उपलब्धियां सामान्य बात नहीं हैं। यह फंडामेंटल चेंज है, जो बीते दशक में भारत लेकर आया है। ये चेंज आशंकाओं के बादल को हटाकर आकांक्षाओं के विस्तार का है।

आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस: सीएम योगी बोले-बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनेगी

लखनऊ (जीएनएस)। डॉ. भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस आज मनाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ आंबेडकर महासभा कार्यालय में होने वाले कार्यक्रम में शरीक हुए।

सीएम योगी ने शनिवार को कहा, बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अक्सर शरारती तत्व छेड़छाड़ करते हैं। हमारी सरकार निर्णय ले रही है कि बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिस मूर्ति के ऊपर छत नहीं होगी, वहां छत बनवाएंगे। यदि कहीं कोई काम छूट गया है, तो उसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। आज इस पावन अवसर पर मैं बाबा साहब की पावन स्मृति को नमन करता हूं।

अभी यहां लालजी प्रसाद निर्मलजी ने चतुर्थ श्रेणी संविदा सफाई कर्मियों की समस्या का उल्लेख किया। हमारी सरकार ने इस पर निर्णय ले लिया है। कॉरपोरेशन का गठन किया गया है और अगले एक-दो महीनों में यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा कि हर चतुर्थ श्रेणी के कर्मी और संविदा कर्मी को न्यूनतम मानदेय की गारंटी सरकार की ओर से मिले। यह कदम भी सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

हम सबको यह समझना होगा कि जो भी सुविधाएं और सम्मान आज वंचित वर्गों को मिल रहा है, वह बाबा साहब की दी हुई प्रेरणा का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश 'नए भारत' की ओर बढ़ रहा है। पंचतीर्थ का निर्माण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति योजनाएं यह सब बाबा साहब के समानता और आत्मसम्मान के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

7.0 तीव्रता के भूकंप के तेज झटकों से दहला ये देश, 20+ आफ्टरशॉक्स से लोग सहमे

अमेरिका के अलास्का और कनाडा के युकोन क्षेत्र की सीमा के पास शनिवार को 7.0 तीव्रता का एक भयानक भूकंप महसूस किया गया। अलास्का की राजधानी जूनो से लगभग 370 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में और युकोन के व्हाइटहॉर्स से 250 किलोमीटर पश्चिम में केंद्रित यह भूकंप 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया। राहत की बात यह रही कि यह इलाका कम आबादी वाला और ऊबड़-खाबड़ पर्वतीय है, जिसके चलते किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

करमसद से प्रारंभ हुई 'सरदार@150' राष्ट्रीय एकता पदयात्रा 11 दिनों के परिभ्रमण के बाद एकता नगर में समाप्त हुई

एक और अखंड भारत के निर्माण में सरदार साहब का योगदान पीढ़ियों तक अमर रहेगा : उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन

गांधीनगर, 06 दिसंबर : लौह पुरुष, देश के प्रथम गृह मंत्री, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में उन्हें स्मरणांजलि देने के लिए करमसद से शुरू हुई 'सरदार@150' राष्ट्रीय एकता पदयात्रा 11 दिनों के परिभ्रमण के बाद शनिवार को एकता नगर स्थित सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' परिसर में समाप्त हुई। एकता पदयात्रा के समापन समारोह में उपस्थित उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इस पदयात्रा को भारत की अमर आत्मा का उत्सव करार दिया। उन्होंने गर्व से कहा कि एकता पदयात्रा देश के जन एवं मन को जोड़ने का माध्यम बनी है, जिसमें एकता, कर्तव्य और राष्ट्र निर्माण की भावना का समन्वय देखने को मिला।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि सरदार पटेल हमारे श्रेष्ठ राष्ट्रीय नायक थे, जिन्होंने कुशल नेतृत्व प्रदान कर 560 से अधिक रियासतों को एकीकृत किया। एक और अखंड भारत के निर्माण में सरदार साहब का योगदान पीढ़ियों तक अमर रहेगा।

उन्होंने गौरव से कहा कि देश भर में 1300 से अधिक पदयात्राओं में 14 लाख से अधिक युवाओं की भागीदारी

यह सिद्ध करती है कि सरदार पटेल द्वारा प्रज्वलित की गई एकता की ज्योति आज भी जल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरदार साहब से जुड़ी इस पदयात्रा ने पूरे देश में एकता, भाईचारे और एक भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत का संदेश फैलाया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरदार साहब ने अपने सादगीभरे व्यक्तित्व से दुनिया को संदेश दिया था कि 'एग्रीकल्चर इज अवर कल्चर' यानी कृषि ही हमारी संस्कृति का मूल है, और यही हमारी पहचान है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोकर भारत को एक, अखंड और मजबूत बनाया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात दुनिया को अहिंसा और सत्य का मार्ग बताने वाले महात्मा गांधी जी, देश को एकता के सूत्र में बांधने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल और विकास को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जन्मभूमि है। देश के किसी भी कोने में 'केम छो?' कहने पर, प्रत्युत्तर में 'मजा मां!' सुनने को मिलता है, यह भावना गुजरात की प्रगतिशील विचारधारा और प्रधानमंत्री के लोकप्रिय नेतृत्व का प्रतिबिंब है।

श्री राधाकृष्णन ने कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में आर्थिक, सामाजिक, सैन्य और विदेश नीति तथा रणनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। नारी शक्ति वंदन कानून ने स्त्री सशक्तिकरण से आगे बढ़कर वुमन-लेड डेवलपमेंट यानी महिलाओं के नेतृत्व में विकास का युग शुरू किया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में चार नई श्रम संहिताएं (लेबर कोड्स) लागू की हैं, जो न्यायपूर्ण, सर्वसमावेशी और प्रगतिशील भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत आधार देती हैं। ये श्रम संहिताएं देश के श्रमिक वर्ग के लिए समानता और सम्मान का पथ प्रशस्त करेंगी।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल जी का मजबूत, सक्षम और आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व में तेजी से साकार हो रहा है। सरदार साहब के आदर्श विचारों की विरासत आज आत्मनिर्भर भारत और 'विकसित भारत@2047' के संकल्प में नजर आती है।

उपराष्ट्रपति ने युवाओं को ड्रग्स के शिकंजे में कभी न फंसने की सीख देते हुए कहा कि युवा शक्ति देश का भविष्य है। देश की 65 फीसदी आबादी युवा है और 'यूथ पावर' देश की ऊर्जा, प्रतिभा और आकांक्षाओं का अद्वितीय स्रोत है, ऐसे में उन्होंने युवाओं का आ'ान किया कि वे खेल, सामाजिक दायित्व और संस्कारपूर्ण व्यवहार के माध्यम से बदलते समय में अपनी क्षमताओं को विकास की दिशा में मोड़ें।

इंडिगो परिचालन संकट पर नागर विमानन मंत्रालय की कार्रवाई - हवाई किराया विनियमन

नागर विमानन मंत्रालय ने मौजूदा व्यवधान के दौरान कुछ एयरलाइनों

द्वारा असामान्य रूप से अधिक हवाई किराए वसूले जाने की चिंताओं को गंभीरता से लिया है। यात्रियों को किसी भी प्रकार के अवसरवादी मूल्य निर्धारण से बचाने के लिए मंत्रालय ने सभी प्रभावित मार्गों पर उचित और तर्कसंगत किराए सुनिश्चित करने के लिए अपनी नियामक शक्तियों का प्रयोग किया है।

प्रधानमंत्री ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री ने डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को आज महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि न्याय, समानता और संविधानवाद के प्रति डॉ. अंबेडकर की अटूट प्रतिबद्धता भारत की राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने कहा कि मानवीय गरिमा को बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के प्रति डॉ. अंबेडकर के समर्पण से पीढ़ियों ने प्रेरणा ली है।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. अंबेडकर के आदर्श राष्ट्र के पथ को आलोकित करते रहेंगे, क्योंकि देश एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक अलग पोस्ट में कहा;

'महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का स्मरण करते हैं। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संविधानवाद के प्रति डॉ. अंबेडकर की अटूट प्रतिबद्धता भारत की राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनसे मानवीय गरिमा को बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की पीढ़ियों ने प्रेरणा ली है।

ईश्वर करे कि उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर करते रहें।'

श्री अमित शाह ने गुजरात के वाव-थराद जिले में सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुरूप डेयरी सहकारिता आज किसानों के कल्याण की सक्षम शक्ति

श्वेत क्रांति 2.0 का उद्देश्य हर पंचायत में एक को-ऑपरेटिव सोसाइटी बनाना और हर जिले में एक डेयरी की स्थापना

डेयरी क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तीन मल्टी-स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटीज बनाई गईं

त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के ग्रैजुएट देश भर में बनास डेयरी के मॉडल को लागू करने में योगदान देंगे

इंश्योरेंस कोऑपरेटिव्स से गाँवों तक बीमा सेवाओं की सरल पहुँच सुनिश्चित होगी

प्रत्येक जिले में चार अत्याधुनिक सॉइल टेस्टिंग लैब स्थापित होंगी, ताकि किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता का वैज्ञानिक मूल्यांकन हो

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के वाव-थराद जिले में स्थित बनास डेयरी में सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोल, समिति के सदस्य सांसदगण, सहकारिता सचिव डॉ आशीष भूटानी सहित सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में भारत की डेयरी सहकारिता क्षेत्र और श्वेत क्रांति 2.0 को लेकर भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में संसदीय परामर्शदात्री समिति के समक्ष सहकारी डेयरी क्षेत्र पर एक व्यापक प्रस्तुति दी गई(

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी 2026) का 9वां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अनूठा चर्चा कार्यक्रम, परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी), अपने 9वें संस्करण के साथ वापस आ गया है। यह जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जहां भारत और विदेश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को एक उत्सव और जीवन का एक अभिन्न अंग मानने के लिए उनके साथ जुड़ेंगे। प्रतिभागियों के चयन के लिए, माइ गॅव पोर्टल (https://innovateindia1.mygov.in/) पर 1 दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक एक ऑनलाइन एमसीक्यू-आधारित प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कक्षा 6 से 12 तक के छात्र, शिक्षक और अभिभावक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इस गतिविधि को पूरा करने वाले सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को माइ गॅव की ओर से भागीदारी प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

आरपीएफ गांधीग्राम का सराहनीय कदमः ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री का पर्स सकुशल लौटाया

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल अंतर्गत गांधीग्राम रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन अमानत के तहत ईमानदारी और तत्परता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। दिनांक 06.12.2025 (शनिवार) को गांधीग्राम के प्लेटफॉर्म संख्या 02 से सवारी गाड़ी संख्या 19204 (वेरावल-बांद्रा टर्मिनस) के रवाना होने के बाद ऑन ड्यूटी हेड कांस्टेबल श्री सुरेशभाई वाधेला को प्लेटफॉर्म पर एक महिला का पर्स पड़ा हुआ मिला। तत्पश्चात उन्होंने प्वाइंट्समैन को साथ लेकर पर्स को स्टेशन कार्यालय में लाया और ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर तथा रेल सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति में पर्स की जांच की गई।

पर्स में नकद ₹1880/-, एक पैन कार्ड, आधार कार्ड, मोबाइल चार्जर सहित अन्य आवश्यक सामग्री पाई गई। उक्त पर्स को सुरक्षित रूप से कार्यालय में रखवा दिया गया। कुछ समय पश्चात एक व्यक्ति श्री जितेन्द्र सेवेरा, निवासी अहमदाबाद, स्टेशन पर उपस्थित हुए और पर्स उनकी माता का होना बताया, जो उसी दिन ट्रेन संख्या 19204 के वातानुकूलित कोच बी-6 में यात्रा कर रही थीं। वैध जांच एवं सत्यापन के पश्चात पर्स तथा उसमें रखी समस्त सामग्री सही हालत में यात्री के पुत्र को लौटा दी गई। पर्स मिलने पर यात्री एवं उनके पुत्र द्वारा आरपीएफ गांधीग्राम का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने कहा कि हेड कांस्टेबल श्री सुरेशभाई वाधेला द्वारा ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत किया गया यह कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है और रेलवे सुरक्षा बल की ईमानदारी, तत्परता तथा सेवा भावना को दशार्ता है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली, मुंबई सेंट्रल - भिवानी, मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा, वलसाड - बिलासपुर, साबरमती - दिल्ली एवं साबरमती - दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04001/04002 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 04001 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर, 2025 को 23.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली - मुंबई सेंट्रल स्पेशल शनिवार, 06 दिसम्बर, 2025 को 22.40 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा एवं मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट (द्विसाप्ताहिक) स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली एवं चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर एवं सोमवार, 08 दिसम्बर, 2025 को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर एवं मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025 को 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां एवं दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुगार्पुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुगार्पुरा - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुगार्पुरा से प्रस्थान करेगी

इंडिगो परिचालन संकट पर नागर विमानन मंत्रालय की कार्रवाई - यात्री रिफंड सुरक्षा

मंत्रालय ने इंडिगो को बिना किसी देरी के यात्रियों के लंबित रिफंड को निपटाने का निर्देश दिया

(जीएनएस)।

नागर विमानन मंत्रालय ने इंडिगो को सभी लंबित यात्री रिफंड बिना किसी देरी के जारी करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने अनिवार्य किया है कि सभी रद्द या बाधित उड़ानों के लिए रिफंड प्रक्रिया रविवार, 7 दिसंबर 2025 रात 8:00 बजे तक पूरी हो जानी चाहिए। एयरलाइनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे उन यात्रियों से कोई पुनर्निर्धारण शुल्क न लें जिनकी यात्रा योजनाएं उड़ानों के रद्द होने से प्रभावित हुई हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी या अनुपालन न होने पर तत्काल नियामक कार्रवाई की जाएगी।

विशेष यात्री सहायता और धन वापसी प्रकोष्ठ

निर्बाध शिकायत निवारण सुनिश्चित करने के लिए, इंडिगो को समर्पित यात्री सहायता और धनवापसी सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। इन प्रकोष्ठों को प्रभावित यात्रियों से सक्रिय रूप से

संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि धनवापसी और वैकल्पिक यात्रा व्यवस्थाएँ बिना किसी बार-बार अनुवर्ती कार्रवाई के पूरी हो जाएँ। स्वचालित धनवापसी की यह प्रणाली परिचालन पूरी तरह से स्थिर होने तक सक्रिय रहेगी।

सामान प्रबंधन पर आश्वासन

मंत्रालय ने इंडिगो को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि उड़ानों के रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों से अलग हुए सभी सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर यात्री के निवास या चुने हुए पते पर पहुंचा दिया जाए। एयरलाइनों को ट्रैकिंग और डिलीवरी की समय-सीमा के बारे में यात्रियों के साथ स्पष्ट संवाद बनाए रखने और मौजूदा यात्री अधिकार नियमों के तहत जरूरत पड़ने पर मुआवजा देने के लिए कहा गया है।

यात्रियों के लिए शून्य-असुविधा नीति

नागर विमानन मंत्रालय इस व्यवधान के दौरान यात्रियों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों, हवाई अड्डों, सुरक्षा एजेंसियों और सभी परिचालन हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग यात्रियों, छात्रों, रोगियों और तत्काल यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए उचित सुविधा सुनिश्चित करने हेतु निगरानी तंत्र को सुदृढ़ किया गया है। मंत्रालय पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया पर लगातार नजर रख रहा है और जल्द से जल्द पूर्ण परिचालन सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मेट्रो लाइन पर अब अकका पहरा, मुंबई मेट्रो में चप्पे-चप्पे पर बढ़ी सुरक्षा और निगरानी

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो ने अपनी सुरक्षा और संचालन क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मेट्रो नेटवर्क में पहली बार एक स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) आधारित व्हील प्रोफाइल मेजरमेंट सिस्टम (अहढटर) लगाया गया है। यह सिस्टम ट्रेन के पहियों में होने वाले घिसाव या संभावित क्षति का सटीक आकलन करेगा। साथ ही, समय रहते मरम्मत या बदलाव की सलाह दे सकता है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इससे मेट्रो की निगरानी बेहतर ढंग से होगी।

यह अत्याधुनिक तकनीक IntelliRail कंपनी ने तैयार की है। इसे मुंबई मेट्रो की लाइन 2A और लाइन 7 पर स्थापित किया गया है। इस सिस्टम का उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाना, पहियों की उम्र बढ़ाना और ट्रैकों पर दबाव कम करना है। कंपनी के अनुसार यह तकनीक लगातार डायग्नोस्टिक इनसाइट्स शेयर करती है। इससे संचालन और सुगम होता है और अचानक आने वाली खराबी और मेंटनेंस से बचा जा सकता है।

Mumbai Metro की सुरक्षा के लिए AI का इस्तेमाल

- IntelliRail ने बताया कि उनका IntelliWPMS सिस्टम सेंसर, कैमरा और लेजर के नेटवर्क से मिलकर बना है। यह पहियों के पैरामीटर्स को अत्यधिक सटीकता के साथ कैप्चर करता है।

- मशीन विजन तकनीक विश्लेषण की गति और गुणवत्ता को और बेहतर बनाती है, जबकि मानवीय हस्तक्षेप को कम करती है।

- कंपनी के सीईओ पियूष निगम के अनुसार, यह इंस्टॉलेशन कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सरकार के 'मेक इन इंडिया' पहल पर पूरा उतरती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे में ऐसे सिस्टम लगाने पर पांच सालों से चर्चा चल रही है।

Mumbai Metro होगी और भी सुरक्षित और आधुनिक

कंपनी का कहना है कि यह सिस्टम नॉन-कॉन्टैक्ट मेजरमेंट तकनीक पर आधारित है। यह टेक्नोलॉजी उपकरणों और ऑपरेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इसमें 0.5 मिमी तक की सटीकता से व्हील प्रोफाइल और 1.0 मिमी तक की सटीकता से डायमीटर को मापा जा सकता है। पहियों में मामूली अनियमितताएं भी इस तकनीक से पकड़ी जा सकती हैं, जो ट्रेन की सुरक्षा और प्रदर्शन पर असर डाल सकती हैं।

यह सिस्टम मुंबई मेट्रो के चर्कोप डिपो में लगाया गया है। मेट्रो को आधुनिक और सुरक्षित बनाने की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। IntelliRail ने कहा कि अब हम भारत को कंडीशन-बेस्ड मेंटेनेंस मॉडल की ओर ले जाएंगे। रिमोट मॉनिटरिंग, सेंसर और डेटा एनालिटिक्स के जरिए मेट्रो संपत्तियों की विश्वसनीयता बढ़ेगी और रखरखाव की लागत कम होगी।

श्री अमित शाह ने आज गुजरात के वाव-थराद जिले में बनास डेयरी द्वारा नवनिर्मित बायो सीएनजी और फर्टिलाइज़र प्लांट का उद्घाटन एवं 150 टन के पावडर प्लांट का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने श्वेत क्रांति 2.0 के लिए बड़े लक्ष्य रखे हैं

राष्ट्रीय गोकुल मिशन, एनिमल हसबैंड्री इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड, पुनर्गठित राष्ट्रीय डेयरी योजना तथा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के जरिए श्वेत क्रांति 2.0 जरूर सफल होगी

बनास डेयरी ने जो बायो उठक्ष्ृ प्लांट की परंपरा खड़ी की, वह देश भर की सहकारी समितियों के लिए आदर्श बनेगी

माताओं-बहनों के अथक परिश्रम से बनास डेयरी का कारोबार 24 हजार करोड़ तक पहुँचा

बनासकांठा और मेहसाणा में जल-संचय तथा पानी के माध्यम से आई समृद्धि पर हो रहे हैं रिसर्च

डेयरी कोऑपरेटिव्स हाई-वैल्यू प्रोडक्ट्स के निर्माण पर ध्यान देकर और भी समृद्ध होंगे

कोऑपरेटिव्स में ही बनेंगे पशु आहार भी, लाभ सीधा बहनों के बैंक खाते में पहुँचेगा

सर्कुलर इकोनॉमी से डेयरी किसान की आमदनी 20 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ जाएगी

श्री शाह ने डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके दिए संविधान के बल पर ऐसी व्यवस्था खड़ी हुई है कि दलित, गरीब, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोग भी सम्मानपूर्ण जीवन जी रहे हैं

प्रविष्टि तिथिः 06 ऊ्रउ 2025 5:56ढट‚८ ढक्ह ऊै

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के वाव-थराद जिले में बनास डेयरी द्वारा नवनिर्मित बायो सीएनजी और फर्टिलाइजर प्लांट का उद्घाटन एवं 150 टन के पावडर प्लांट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकर चौधरी, केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर और

श्री मुरलीधर मोहोल, केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बनासकांठा में बनास डेयरी की शुरूआत करने वाले गलबाभाई नानजीभाई पटेल ने जो यात्रा शुरू की थी, वह धीरे-धीरे बढ़ते-बढ़ते इस मुकाम पर पहुँच गई है कि आज यहाँ 24 हजार करोड़ रुपए तक का कारोबार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह देश भर में जहाँ भी जाते हैं, वहाँ गर्व से कहते हैं कि गुजरात के गाँवों को समृद्ध बनाने का काम गुजरात की माताओं-बहनों ने किया है। यहाँ के किसान भाइयों, विशेष रूप से सहकारी आंदोलन के अगुआ लोगों, गाँव की दूध मंडलियों के चेयरमैन और बनास डेयरी के डायरेक्टर्स को शायद पता भी न हो कि उन्होंने कितना बड़ा चमत्कार कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि 24 हजार करोड़ रुपए की कंपनी खड़ी करना बड़े-बड़े कॉर्पोरेट्स के लिए भी पसीना छुड़ाने वाला काम होता है, लेकिन बनासकांठा की बहनों और किसानों ने देखते-ही-देखते 24 हजार करोड़ रुपए की कंपनी खड़ी कर दी।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज वह अपने साथ देश की संसद के दोनों सदनों—लोकसभा और राज्यसभा—के सांसदों को लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी जनवरी में पूरे देश की सभी डेयरियों के लगभग 250 चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बनासकांठा के सहकारी डेयरी क्षेत्र में हुए चमत्कार को अपनी आँखों से देखने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1985-87 के अकाल के बाद जब वह इस इलाके में आते थे और किसानों से पूछते थे तो बताया जाता था कि वह पूरे साल में सिर्फ एक फसल उगा पाते हैं, लेकिन अब बनासकांठा का किसान एक साल में तीन-तीन फसल उगाता है। मूंगफली भी उगाता है, आलू भी उगाता है, गर्मियों में बाजरा भी बोता है और खरीफ की फसल भी लेता है, जबकि पच्चीस साल पहले बनासकांठा में तीन फसल की खेती करना एक स्वप्न मात्र था।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात के उन इलाकों से यहाँ पानी की उपलब्धता कराने का काम किया, जहां पानी प्रचुर मात्र में उपलब्ध था। उन्होंने कहा कि सुजलाम-सुफलाम योजना के तहत नर्मदा और माही नदी का अतिरिक्त पानी बनासकांठा पहुँचा। पहले यहाँ का किसान दूसरों के खेतों में मजदूरी करता था। आज उसी किसान ने अपनी जमीन को स्वर्ग बना दिया और पूरे बनासकांठा को समृद्ध बना दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारी यह परंपरा या आदत नहीं रही कि कोई बड़ा काम करने पर उसका पूरा दस्तावेजीकरण किया जाए या उसका इतिहास लिखा जाए। लेकिन उन्होंने दो विश्वविद्यालयों को जिम्मेदारी सौंपी है कि वे बनासकांठा और मेहसाणा में जल-संचय तथा पानी के माध्यम से आई समृद्धि और लोगों के जीवन में आए परिवर्तन पर विस्तृत रिसर्च करें। उन्होंने कहा कि बनासकांठा का यह परिश्रम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और पूरे देश के ग्रामीण विकास के इतिहास में एक प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि खुशी की बात यह है कि इस परिश्रम में महिलाओं का बड़ा योगदान है। श्री शाह ने कहा कि 24 हजार करोड़ रुपए के इस विशाल कारोबार में दूध इकट्ठा करने की सारी मेहनत बनासकांठा की बहनों, बेटियों और माताओं के हाथों से हुई है। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण की बातें करने वाली विश्व की तमाम एनजीओ के सामने सबसे जीवंत और सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत कर दिया है। ऐसी पारदर्शी व्यवस्था खड़ी हो चुकी है कि बिना किसी आंदोलन या बिना किसी नारे के, सीधे माताओं-बहनों के बैंक खाते में हर हफ्ते उनके दूध का पूरा पैसा पहुँच रहा है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बनास डेयरी आज एशिया की सबसे बड़ी दुग्ध उत्पादक डेयरी बन चुकी है। इसमें गलवा काका का बड़ा योगदान है। गलबा काका ऐसे व्यक्तित्व थे जिनके हृदय में केवल किसान हित की भावना बसती थी। वर्ष 1960 में वडगाम और पालनपुर - सिर्फ दो तहसीलों के मात्र आठ गाँवों की दूध मंडलियों से शुरू हुई यह यात्रा आज 24 हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर तक पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि गलबाभाई द्वारा शुरू की गई परंपरा का मूल मंत्र बहुत सरल था कि 'हमारे पास रुपये तो कम हैं, लेकिन हम खूब सारे लोग हैं।' श्री शाह ने कहा कि बहुत सारे लोगों द्वारा थोड़े-थोड़े रुपए इकट्ठा करके बड़ा काम करने का उनका विचार एक विशाल वटवृक्ष बन गया है, जो देश ही नहीं, विश्व के सभी सहकारी आंदोलनों को प्रेरणा दे रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जो संविधान इस देश को दिया, उसके बल पर दलित, गरीब, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोग भी सम्मानपूर्ण जीवन जी सकें, ऐसी मजबूत व्यवस्था खड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि वह बाबा साहब को हृदयपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्री शाह ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत गुजरात में चल रही एक विशाल पदयात्रा का समापन समारोह भी आज ही है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दुनिया भर में मशहूर नागालैंड के हॉर्नबिल फेस्टिवल में हिस्सा लिया

स्विट्जरलैंड, आयरलैंड और यूनाइटेड किंगडम हॉर्नबिल 2025 के लिए भागीदार देशों के तौर पर शामिल हुए

प्रधानमंत्री मोदी का एक्ट ईस्ट विजन पूर्वोत्तर को दुनिया के लिए भारत का पहला फ्रंटियर बना रहा हैः सिंधिया

फेस्टिवल में नागालैंड की जीती-जागती विरासत, आदिवासी परंपराएं और सांस्कृतिक चमक को प्रदर्शित किया गया

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार और डीओएनईआर मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नागालैंड के अपने 3 दिन के दौरे के तहत, राज्य की अनोखी सांस्कृतिक विरासत और इसकी 17 जनजातियों की समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाते हुए, दुनिया भर में मशहूर नागालैंड के हॉर्नबिल फेस्टिवल में हिस्सा लिया। इस इलाके के साथ अपने गहरे निजी रिश्ते को दोहराते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'नागालैंड और इसकी 17 जनजातियों के साथ मेरा रिश्ता ऐसा है जिसे मैं दिल से महसूस करता हूं। मैं अपने साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उम्मीदें, आकांक्षाओं और पक्का वादा लेकर आया हूं, जिनका एक्ट ईस्ट विजन पूर्वोत्तर को दुनिया के लिए भारत की पहली सरहद बनाना है।'

मशहूर किसामा हेरिटेज विलेज में होने वाला हॉर्नबिल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पूर्वोत्तर पर खास ध्यान देने की वजह से बहुत तेजी से बढ़ा है। पीएम के सांस्कृतिक कूटनीति, संपर्क (कनेक्टिविटी) और पर्यटन पर जोर देने से इस फेस्टिवल को दुनिया भर में पहचान मिली है और इस साल स्विट्जरलैंड, आयरलैंड और यूनाइटेड किंगडम आधिकारिक भागीदारी देशों के तौर पर इसमें शामिल हुए, जो पूर्वोत्तर को अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्र पर जगह दिलाने के लिहाज से एक बड़ा कदम है।

यह फेस्टिवल आदिवासी नृत्य, हथकरघा प्रदर्शिन, देसी खेल, गांव की सैर, खाने-पीने के वंजनों की प्रदर्शनी, शाम के कॉन्सर्ट और मशहूर हॉर्नबिल इंटरनेशनल रॉक कॉन्टेस्ट सहित परंपरा और समकालीन रचनात्मकता का एक शानदार मेल है, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि सांस्कृतिक कहानियां असली और सामुदायिकता पर आधारित रहें।

हॉर्नबिल और तौफेमा गांव में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थित सिंधिया

अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने कारीगरों, उद्यमियों और सांस्कृतिक लोगों से गहराई से बातचीत की। तौफेमा गांव में रीजनल क्राफ्ट एंड रिसोर्स सेंटर में, उन्होंने महिला कारीगरों और डिजाइनर मार्गेरिटा से बातचीत की, नागा खु (टोकरी) बुनाई में हिस्सा लिया और नागा दाओ की क्राफ्टिंग देखी। उन्होंने अंगामी कलाकारों के साथ ताती भी बजाया, जो एक देसी तार वाला वाद्य यंत्र है।

बाद में, एक स्थानीय कॉफी फार्म में, उन्होंने ताजी भुनी हुई नागा दाल और मेयेविनो, टोलिबो और विटोजुनियो के बनाए हाथ से बने मफिन और विटोस्वू की बनाई कॉफी का स्वाद चखा। वे मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के साथ एक पारंपरिक कॉफी बनाने के सत्र में शामिल हुए और युवा कॉफी उद्यमियों से बातचीत की। शाम को, उन्होंने अंगामी, चाखेसांग और कोन्याक मोरंग का दौरा किया और हॉर्नबिल हैंडीक्राफ्ट मार्केट में महिला बुनकरों और कारीगरों से मुलाकात की।

पारंपरिक अंगामी पत्थर-खींचने के समारोह में भागीदारी और ₹650 करोड़ के विकास पैकेज का अनावरण

इससे पहले दिन में, केंद्रीय मंत्री ने तुओफेमा गांव में मशहूर अंगामी पत्थर तोड़ने के समारोह में भी हिस्सा लिया। इसे एकता और मिलकर काम करने की भावना का प्रतीक बताते हुए, उन्होंने नागा समाज की हमेशा बनी रहने वाली सांस्कृतिक ताकत पर जोर दिया।

दोपहर में, उन्होंने डीओएनईआर मंत्रालय और भारत सरकार के 'एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट' विजन, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने आगे बढ़ाया था, के तहत लगभग ₹650 करोड़ के विकास पैकेज का अनावरण किया। इसमें स्वास्थ्य, खेल, बिजली, शिक्षा, नवाचार और मुख्य रोड कॉरिडोर से जुड़े ₹202 करोड़ से ज्यादा की नई परियोजनाओं का उद्घाटन और ₹443 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, जो नागालैंड में विकास को गति देने, कनेक्टिविटी को गहरा करने और आर्थिक अवसरों को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पीएम मोदी के नेतृत्व के बदलाव लाने वाले नतीजों पर जोर देते हुए, मंत्री ने इलाके के विकास की रफ्तार में जबरदस्त तेजी का जिक्र किया और कहा, 'हवाई अड्डे और राजमार्ग से लेकर दूरसंचार और क्रॉस-बॉर्डर संपर्क तक, पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचा जबरदस्त तेजी से आगे बढ़ रहा है। अकेले नागालैंड में लगभग ₹650 करोड़ की नई परियोजनाओं के साथ, हम अपने लोगों की उम्मीदों के मुताबिक भविष्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

केंद्रीय मंत्री ने फिर से कहा कि प्रधानमंत्री जिस पूर्वोत्तर को भारत की अष्ट लक्ष्मी मानते हैं, वह अब देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले इलाकों में से एक है, जिसे युवा, महत्वाकांक्षी और मेहनती लोगों की मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि डीओएनईआर और राज्य सरकार के बीच करीबी तालमेल से पाइपलाइन में पहले से चल रही अगली परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

शेख हसीना के मामले में भारत को दिखानी पड़ रही दृढ़ता

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना के भारत में रहने की अवधि के बारे में उन लोगों के संदेह को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जो बार-बार पूछते थे कि आखिर वह कब तक भारत में रहेंगी? बांग्लादेश और भारत में यह चर्चा का विषय बना हुआ था जिस पूर्व प्रधानमंत्री को एक अदालत से मौत की सजा मिल चुकी है, वह भारत में आश्रय लेकर कब तक रह सकती हैं? इस सवाल का विदेश मंत्री ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि श्रीमती शेख हसीना जब तक चाहें तब तक भारत में रह सकती हैं। डॉ. जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर यह बात हिन्दुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के दौरान शनिवार को कहीं।

डॉ. जयशंकर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि बांग्लादेश में लोकतंत्र की हालत ठीक नहीं है।

असल में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनका परिवार भारत से बहुत नजदीकी रिश्ता रखता है। बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान के समय से ही इस परिवार का दूसरा घर भारत रहा है। इसलिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अच्छी तरह इस बात को जानती हैं कि भारत में रहकर वह और उनका परिवार पूरी तरह सुरक्षित है। श्रीमती शेख हसीना और उनका परिवार इस बात को अच्छी तरह समझता है कि उनके प्रात्यर्पण के लिए भारत किसी भी हालत में तैयार नहीं होगा। अंतर्राष्ट्रीय विधि में राजनीतिक आरोपियों का प्रात्यर्पण उन्मुक्ति मिली है। रही बात पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रात्यर्पण को मिली मौत की सजा के बाद भी आश्रय देने का तो इस संदर्भ में भारत पचड़े में नहीं पड़ना चाहता। भारत यह सफाई देने की जरूरत भी नहीं समझता कि जिस अदालत ने मौत की सजा दी है उसमें पाटा विशेष बीएनपी और जमायते इस्लामी के वकीलों को जज बनाया गया है जो वर्षो तक हसीना की पाटा अवामी लीग की खिलाफत करते रहे हैं। यह बांग्लादेश का आन्तरिक मामला हो सकता है किन्तु मानवता के खिलाफ किसी भी कार्य को शासकीय या न्यायिक लबादे से ढककर न्याय संगत नहीं ठहराया जा सकता। आज बांग्लादेश में वे लोग सत्ता पर कब्जा किए बैठे हैं जिन्हें जनता ने लगातार तीन बार खारिज कर दिया था। यदि बांग्लादेश की जनता अवामी लीग को समर्थन करे और उपद्रवी मजहबी उन्माद के माध्यम से उस समर्थन को ठेंगा दिखाकर सत्ता हड़प लें तो कल्पना करना मुश्किल नहीं कि वह लोकतंत्र कितना दिखावटी होगा। मौजूदा सरकार लोकतंत्र प्रोमी जनता पर थोपी हुई एक ऐसे अराजक और मजहबी कट्टरपंथियों की सरकार है जिसके लिए लोकतंत्र या जनभावनाओं के लिए कोई या स्थान नहीं है। बहरहाल भारत न तो किसी से डरता है और न ही किसी बात की संकोच करता है। शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए तमाम विदेशी ताकतें भी षडांत्र में शामिल थीं और वे चाहती थीं कि भारत उन्हें आश्रय न दे किन्तु भारत ने किसी की एक न सुनी। जहां तक रही बात मोहम्मद यूनुस और उनकी टीम की, भारत उनकी भारत विरोधी गतिविधियों से सतर्व रहती है और कई बार उन्हें चेतावनी दे चुकी है कि भारत नहीं चाहता कि बांग्लादेश की जनता को कोई असुविधा हो किन्तु जिस तरह मौजूदा सत्तासीन गुट भारत के साथ शत्रुवत व्यवहार कर रहा है, उससे भारत को संयम रख पाना मुश्किल हो रहा है। लब्बोलुआब यह है कि भारत समझता है कि उसे अपनी विश्वसनीयता को बचाने के लिए दृढ़ता का परिचय देना आवश्यक है और यही काम विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने किया है। इससे अब शेख हसीना के बारे में दो टूक का संदेश बांग्लादेश को भी मिल गया।

'गेट्स फाउंडेशन' ने गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम को महिलाओं के भारी मासिक धर्म रक्तस्राव से संबंधित रिसर्च के लिए 1 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी

- यह रिसर्च महिलाओं को पीरियड्स के दौरान होने वाली तकलीफों को दूर करने में सहायक होगी
- कम सुविधा वाले इलाकों में भारी मासिक धर्म रक्तस्राव (एचएमबी) की वजह का पता लगाने के लिए होगा आधुनिक डायग्नोस्टिक्स और एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग
- एचएमबी की समस्या के निवारण और इस विषय में जागरूकता फैलाने के लिए महिलाओं को करेगा आमंत्रित जीबीयू

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 06 दिसंबर : गेट्स फाउंडेशन राज्य सरकार की ओर से संचालित गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी (जीबीयू) की रिसर्च टीम को महिलाओं को पीरियड्स यानी माहवारी के दौरान होने वाले भारी रक्तस्राव पर रिसर्च करने के लिए करीब 1.3 करोड़ रुपए की सहायता देगा।

गेट्स फाउंडेशन की फंडिंग के अंतर्गत जीबीयू की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहिणी नायर के नेतृत्व में शोधकताओं की एक टीम 'हैवी मेंस्ट्रुअल ब्लीडिंग-एचएमबी' यानी महिलाओं के पीरियड्स के दौरान होने वाले भारी रक्तस्राव के लिए यानी आरएनए-आधारित यानी राईबोन्यूक्लिक एसिड पर आधारित डायग्नोस्टिक एवं उपचार के लिए संसाधन विकसित करने के लिए कार्य करेगी। ये संसाधन सस्ते, स्केलेबल यानी विस्तार करने में सक्षम और कम आक्रामक होंगे।

विशेषकर, दूरदराज के इलाकों में महिलाओं के लिए जल्दी निदान, व्यक्तिगत उपचार और मेंस्ट्रुअल हेल्थ मैनेजमेंट में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ इस प्रोजेक्ट को 'गेट्स फाउंडेशन ग्रैंड चैलेंजेस सपोर्ट' के तहत स्वीकृत किया गया है। गेट्स फाउंडेशन ने इसके लिए लगभग 1.3 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता मंजूर की है।

डॉ. रोहिणी नायर ने इस विषय में बताया कि गेट्स फाउंडेशन ने फरवरी, 2025 में 'ग्रैंड चैलेंजेस' फंडिंग कॉल शुरू किया था, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित गंभीर, लेकिन अक्सर उपेक्षा का शिकार रहने वाली समस्या हैवी मेंस्ट्रुअल ब्लीडिंग के निवारण के लिए अभिनव दृष्टिकोण आमंत्रित किए गए थे। फाउंडेशन मूल्यांकन के लिए दो चरणों की प्रक्रिया का पालन करता है, जिसकी शुरूआत कंसेप्ट नोट या लेटर ऑफ इंक्वायरी (एलओआई) से होती है। इसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों से संपूर्ण प्रपोजल मंगाया जाता है, ताकि वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं और वैज्ञानिक सावधानी या सटीकता बनी रहे। भारी मासिक धर्म रक्तस्राव की समस्या के निवारण और इस संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए जीबीयू की ओर से महिलाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा, ताकि यह अन्य महिलाओं के लिए मददगार साबित हो सके।

यह रिसर्च-स्टडी अहमदाबाद की इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर (आईकेडीआरसी) के ऑब्स्टेट्रिक्स (प्रसूति रोग) और गायनेकोलॉजी (स्त्री रोग) विभाग की डीन एवं हेड डॉ. रोहिना अग्रवाल के सहयोग से की जाएगी।

रिसर्च के अंतर्गत डॉ. अग्रवाल मरीजों की पहचान और चिकित्सा मूल्यांकन में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि डॉ. नायर की लेबोरेटरी महिलाओं के स्वास्थ्य रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करेंगी। वे, विशेषकर गर्भ धारण करने में बार-बार होने वाली

असफलता (RIF - Repeated Implantation FÔilure) और एंडोमेट्रिओसिस पर एचएमबी के लिए आरएनए-आधारित किफायती और न्यूनतम आक्रामक संसाधन विकसित करने पर सक्रिय रूप से कार्य करेंगी।

डॉ. नायर ने आगे कहा कि आज भारी माहवारी रक्तस्राव (एचएमबी) से दुनिया भर की लाखों महिलाएं प्रभावित हैं। इसके चलते एनीमिया, कार्यक्षमता में कमी, लंबे समय तक थकान महसूस करना और जीवन की गुणवत्ता कमजोर पड़ने जैसी समस्याएं खड़ी होती हैं। इसका प्रभाव उन इलाकों में अधिक गंभीर है, जहां समय पर डायग्नोसिस और प्रभावी उपचार की कम सुविधाएं हैं। यह प्रोजेक्ट हार्मोनल इन्ट्रा-यूरेटाइन डिवाइस जैसे उपचार की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाने के रास्तों की भी खोज करेगा। एचएमबी के व्यापक प्रसार के बावजूद, अभी इसके पीछे के जैविक कारणों के बारे में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। यह केवल वृद्ध महिलाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि युवा पीढ़ी में भी देखने को मिलता है। हालांकि, हमारे सामाजिक परिवेश के कारण महिलाएं खुलकर बात नहीं कर पातीं और आम तौर पर दर्दनिवारण दवाइयां लेकर अपना काम चलाती हैं।

इस समस्या के बारे में अधिक जानकारी देते हुए डॉ. नायर ने कहा कि एबनॉर्मल यूटेराइन ब्लीडिंग यानी असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव, जिसका एचएमबी एक विषय है, वह विभिन्न कारकों के कारण होता है। जिनमें स्ट्रक्चरल एबनॉर्मलिटीज जैसे कि पोलिप्स, एडिनोमायोसिस, फाइब्रोइड्स और मैलिग्नेंसी-कैंसर शामिल हैं। वहीं, नॉन-स्ट्रक्चरल कारकों में ब्लीडिंग डिसऑर्डर यानी रक्तस्राव विकार, ओव्यूलेटरी और एंडोमेट्रियल डिसफंक्शन का सामवेश होता है।

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य सिंगल-सेल आरएन सिक्वेंसिंग का उपयोग करके एचएमबी के सेलुलर और मॉलिक्युलर कारकों को मैप करना है, जिससे कि एंडोमेट्रियल माइक्रोएन्वायर्नमेंट का व्यापक डेटा संग्रह तैयार किया जा सके। उम्मीद है कि इस कार्य से मिलने वाली जानकारी असामान्य मासिक रक्तस्राव से जुड़े मुख्य पाथ-वे यानी मार्ग और बायोमार्कर्स की पहचान करेगी।

गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के डीन रिसर्च प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने कहा कि जीबीयू इस उपलब्धि को वैश्विक महिला स्वास्थ्य रिसर्च में भारत के योगदान के रूप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानता है और प्रभावशाली एवं विज्ञान-आधारित रिसर्च को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करता है।

एचएमबी पर रिसर्च प्रोजेक्ट का मुख्य फोकस एरिया एचएमबी यानी भारी मासिक रक्तस्राव की फंडामेंटल बायोलॉजी की समझ को आगे बढ़ाना और कम सुविधाओं वाले इलाकों में महिलाओं में इस रोग के फैलाव, प्रभाव और स्त्री रोग स्वास्थ्य तथा जीवन की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करना है।

इसके अलावा, ध्यान केंद्रित करने के अन्य क्षेत्रों में, एचएमबी की जांच के लिए संशोधित पद्धतियां विकसित करना और उन्हें प्रमाणित करना तथा स्टैंडर्डाइज्ड रिसर्च प्रोटोकॉल स्थापित करना और कम सुविधाओं वाले इलाकों में एचएमबी के कारणों की पहचान करने के लिए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के साथ-साथ उपचार की प्रभावशीलता, स्वीकार्यता और उपचार तक पहुंच बढ़ाने के रास्तों का मूल्यांकन करना शामिल हैं।

कच्छ के भुजोडी गांव के 46 बुनकरों ने हासिल किया राष्ट्रीय सम्मान, वीजीआरसी में कच्छ की विरासत को नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध

- राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भुजोडी के बुनकर आज भी प्राचीन हस्तकरघा कला को आधुनिक दौर में जीवंत बनाए हुए हैं
- 'कला ही जीवन है': VGRC के माध्यम से भुजोडी के बुनकरों को मिलेगा वैश्विक सफलता का मार्ग

गांधीनगर, 06 दिसंबर : कच्छ का भुजोडी गाँव पारंपरिक कारीगरी का एक जीवंत और सशक्त केंद्र है। यह गाँव अपने 46 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पियों के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। इस समृद्ध शिल्प विरासत में 6 संत कबीर पुरस्कार प्राप्तकर्ता, 20 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, 1 शिल्प गुरु, 4 कला-निधि पुरस्कारधारी और हैंडलूम-हस्तकला क्षेत्र में विभिन्न राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले बुनकर भी इसमें शामिल हैं।

भुजोड़ी के वांकर समुदाय के कुशल बुनकर गुजरात की समृद्ध, राजसी युग से चली आ रही वस्त्र परंपरा का गौरवपूर्ण उदाहरण हैं, जो आज भी आधुनिक युग में अपने प्राचीन कौशल की चमक बरकरार रखे हुए हैं। भुजोडी के कारीगर नानजी भीमजीभाई खारेत बताते हैं कि उन्हें और पूरे गाँव को प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनियों में वीवर्स सर्विस सेंटर विभाग से भरपूर सहयोग मिला है। भुजोडी के कारीगर फैबइन्डिया, जयपोर और गरवी गुजरात जैसी प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ भी काम करते हैं।

भुजोडी विश्वभर में अपने हैंडलूम बुनाई के लिए जाना जाता है, जहाँ

विश्व विख्यात भुजोडी शॉल, पारंपरिक ऊनी रजाइयाँ और कंबल तैयार किए जाते हैं। यहाँ के शिल्पकार जटिल बुनाई तकनीकों, पारंपरिक डिजाइनों और प्राकृतिक, समय-परखी रंगों का इस्तेमाल कर गुजरात के इतिहास की असल बनावट और सांस्कृतिक कथा को जीवित रखते हैं। यह सिर्फ कारीगरी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसे इन कारीगरों ने अपनी पीढ़ियों की मेहनत और समर्पण से जीवित रखा है।

अब इस विरासत के संरक्षण को एक बड़ा प्रोत्साहन मिलने जा रहा है। जनवरी 2026 के दूसरे सप्ताह में राजकोट में आयोजित होने वाले दूसरे वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेन्स (VGRC) और वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एग्ज़िबिशन (VGRE) में भुजोडी के ये शिल्पी विशेष रूप से भाग लेने जा रहे हैं। यह सहभागिता आर्थिक और नीतिगत, दोनों स्तरों पर बड़े लाभ का आधार बनेगी। यह क्षेत्रीय सम्मेलन कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति विशेषकर हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

इस कार्यक्रम में एक विशेष क्राफ्ट्स विलेज बनाया जाएगा जहाँ ये कारीगर अपने पुरस्कार-विजेता शिल्प का प्रदर्शन कर सकेंगे। साथ ही एक महत्वपूर्ण रिवर्स बायर-सेलर मीट (RBSM) भी आयोजित होगी जो इन टरटए२ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़ेगी और नए निर्यात बाजारों के द्वार खोलेगी।

इसके अलावा, सम्मेलन का उद्यमी मेला कारीगरों को तात्कालिक व्यावसायिक सहयोग, आर्थिक सहायता, वित्तीय लिंकेज और नीतिगत मार्गदर्शन प्रदान करेगा जिससे समुदाय की उद्यमशीलता क्षमता और भी मजबूत होगी। पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान यह सुनिश्चित करेगा कि भुजोडी के ये पारंपरिक शिल्पकार अपनी कला-संरक्षण की मेहनत का स्थायी आर्थिक लाभ उठा सकें।

राजकोट का यह श्क्ष्म्ळ आयोजन भुजोडी के शिल्पियों के लिए अपने अनुभव, पुरस्कार और वैश्विक पहचान को दीर्घकालिक व्यापारिक सफलता में बदलने का एक ऐतिहासिक अवसर है। यह वह महत्वपूर्ण मोड़ है, जहाँ भुजोडी की कला विरासत को वैश्विक मंच पर निरंतर फलने-फूलने के लिए आवश्यक निवेश और पहचान मिलने की उम्मीद है।

पुरानी वोटर लिस्ट में नाम गायब, क्या नया एसआईआर फॉर्म रिजेक्ट होगा? क्या कहता है नियम

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्क्) अभियान के दौरान मतदाता सूची को अपडेट करने का काम तेजी से जारी है। इसी बीच लोगों के मन में एक बड़ा सवाल उठ रहा है अगर 2003 की पुरानी मतदाता सूची में नाम नहीं था, तो क्या अब नया फार्म भरा जा सकता है या नहीं?

इस सवाल का जवाब है-नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। यदि 2003 की लिस्ट में आपका या आपके परिवार के किसी सदस्य का नाम दर्ज नहीं है, तब भी नया फॉर्म भरना जरूरी और पूरी तरह वैध है। जानिए पूरा नियम क्या कहता है...

क्यों जरूरी है नया फॉर्म भरना?

विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्) के दौरान घर-घर गणना टीम जाकर एक गणना फार्म देती है। इस फॉर्म को भरना बेहद जरूरी है, क्योंकि ससे आपका मौजूदा पता, रिवार की सदस्य संख्या,उम्र, दस्तावेज और नया विवरण र्तमान स्थिति के अनुसार सही तरह से दर्ज किए जाते हैं। यदि परिवार के किसी भी सदस्य का नाम 2003 की सूची में मौजूद है, तब भी आपको गणना फार्म भरना चाहिए। यह पके पूरे परिवार के नए और अद्यतन विवरणों को रिकॉर्ड में लाता है।

अगर किसी का भी नाम नहीं है? तब भी चिंता मत करें

अगर 2003 की मतदाता सूची में परिवार के किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं मिलता है तब भी गणना फार्म भरना अनिवार्य है। यह फॉर्म भरने से आपका नया वोटर रजिस्ट्रेशन रुकता नहीं, बल्कि सही तरीके से आगे बढ़ता है।

रक्क् अभियान का उद्देश्य क्या है?

विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्क्) अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह सटीक और अद्यतन बनाना है। इस प्रक्रिया के तहत पुराने रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जाती है, नए योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ा जाता है और पहले से मौजूद त्रुटियों को ठीक किया जाता है। इसके साथ ही उन मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, जो अब जीवित नहीं हैं या अपने मूल क्षेत्र से स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं। निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कि वर्ष 2025 से पहले पूरी मतदाता सूची को वर्तमान स्थिति के अनुसार पूरी तरह सही, साफ-सुथरा और अपडेटेड बनाया जा सके।

लोगों में भ्रम क्यों फैला?

2003 की लिस्ट को आधार मानकर किए जा रहे सत्यापन के कारण कई लोगों को लगा कि पुरानी लिस्ट में नाम नहीं है, तो नया फॉर्म मान्य नहीं होगा! किन निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह केवल डेटा मिलान और ऐतिहासिक रिकॉर्ड सत्यापन के लिए है, न कि नई एंट्री को रोकने के लिए। अगर 2003 की सूची में आपका नाम नहीं है, तब भी णना फार्म भरना आवश्यक है। फॉर्म पूरी तरह वैध है। का वोटर रजिस्ट्रेशन बिना किसी बाधा के आगे बढ़ेगा

उत्तर भारत में शीतलहर से बढ़ी ठिठुरन, दक्षिण में जारी रहेगा बारिश का दौर, किन राज्यों में अलर्ट?

(जीएनएस)।

दिसंबर की ठंडी हवा अब पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले चुकी है। कई राज्यों में सुबह की शुरूआत घने कोहरे की सफेद चादर से हो रही है। उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है, वहीं पहाड़ी इलाकों में बादल उमड़ रहे हैं और बर्फबारी रास्तों को सफेद रंग से ढक रही है।

दूसरी ओर दक्षिण भारत में बादल गरज रहे हैं और बारिश रफ्तार पकड़ रही है। देश के मौसम का यह मेल-ठंड, कोहरा, बारिश और बर्फ-7 दिसंबर को भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करेगा। आइए जानते हैं आज का विस्तृत मौसम अपडेट।

उत्तरी, मध्य और पूर्वी भारत में ठंड और कोहरा बढ़ेगा

दिसंबर की ठिठुरन अब साफ दिखने लगी है। कई राज्यों में न्यूनतम तापमान तेजी से गिर रहा है और सुबह की शुरूआत घने कोहरे से हो रही है। यातायात, खासकर सुबह की उड़ानें और ट्रेनें देरी से चल सकती हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में ठंड काफी तेज रहने वाली है। इन इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रह सकता है।

राजस्थान, खासकर शेखावाटी क्षेत्र, में रात का तापमान 2-4त्उ तक गिरने का अनुमान है। पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी ठंडी हवा तेज होगी, जिससे सुबह और रात में शीतलहर चलेगी। इस ठंड का असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर ज्यादा हो सकता है, इसलिए गर्म कपड़ों और जरूरी सावधानी की सलाह दी जा रही है।

सुबह के समय घना कोहरा

उत्तर भारत में सुबह के घंटे कोहरे से प्रभावित रहेंगे। कई राज्यों में दृश्यता काफी कम हो सकती है। दिल्ली-ठउफ उत्तर प्रदेश (लखनऊ, कानपुर, आगरा, बाराबंकी), बिहार, असम, मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा।

प्रमुख शहरों का तापमान

उत्तर भारत के कई बड़े शहरों में आज सुबह से ही ठंड और कोहरे का असर दिखेगा। नई दिल्ली में कोहरा और शीतलहर की वजह से तापमान 8 से 11 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 24-25 डिग्री तक पहुंच सकता है। लखनऊ में घना कोहरा छाया रहेगा और न्यूनतम तापमान 9-10 डिग्री, अधिकतम 24 डिग्री रहेगा।

जयपुर में भी शीतलहर और कोहरे का असर दिखाई देगा, जहां रात का तापमान 8-11 डिग्री और दिन का 24 डिग्री रहने का अनुमान है। भोपाल में ठंडी हवा और हल्का कोहरा रहेगा, और तापमान 11 डिग्री से बढ़कर 25 डिग्री तक जा सकता है। पूर्वी भारत के कोलकाता में भी सुबह कोहरा और हल्के बादल छाए रहेंगे, जहां न्यूनतम तापमान 16 डिग्री और अधिकतम 26 डिग्री रहने की संभावना है।

पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी तेज

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मौसम को प्रभावित कर रहा है। इसके कारण जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी जारी रहेगी। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इन इलाकों में सड़कें फिसलन भरी हो सकती हैं, और तापमान में अतिरिक्त गिरावट से ठिठुरन और बढ़ेगी।

दक्षिण भारत में बारिश, गरज और तेज हवा

दक्षिण भारत में नमी और बादलों की मात्रा बढ़ी है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, कुछ स्थानों पर गरज और बिजली भी गिर सकती है। केरल में भी हल्की बारिश और बिजली कड़कने की संभावना है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज हवाएं और गरज-बारिश जारी रहने के संकेत हैं।

दक्षिणी राज्यों में तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी, लेकिन मौसम अस्थिर रहेगा।

पश्चिमी और तटीय क्षेत्रों में मौसम सामान्य

मुंबई में मौसम सामान्य रहेगा। हल्की ठंड और सुहावनी हवा के बीच दिन का अधिकतम तापमान करीब 31त्उ रहेगा। चेन्नई में सुबह हल्का कोहरा दिख सकता है, लेकिन दिन में थोड़ा गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा।

कोई जादू की छड़ी नहीं, सब कुछ कर देंगे', प्रदूषण और स्मॉग पर सीएम रेखा गुप्ता ने दिया जवाब

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देश की राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण और स्मॉग को "विरासत में मिली समस्या" बताया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली जैसे महानगर में लॉकडाउन लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या के लिए कोई "जादू की छड़ी" नहीं है।

गुप्ता ने जोर देकर कहा कि प्रदूषण नियंत्रण एक "सतत प्रक्रिया" है और ऐसी जटिल समस्याओं के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की जा सकती। उन्होंने बढ़ती आबादी और सड़क पर वाहनों की कई गुना बढ़ी संख्या को प्रदूषण के प्रमुख कारकों में गिनाया। उनका कहना था कि सरकार को शहर की गति बनाए रखते हुए ही प्रदूषण से निपटना होगा।

प्रदूषण और स्मॉग विरासत में मिली समस्या

दरअसल, सीएम रेखा गुप्ता ने ये बयान हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, "हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम हर दिन एक कदम आगे बढ़ रहे हैं।" उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी सरकार ने पिछले 10 महीनों में जिस तेजी से काम किया है, वह पिछली सरकारों (आप और कांग्रेस) को करना चाहिए था।

दिल्ली भाजपा सरकार ने क्या किए प्रयास?

सीएम ने अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की लिस्ट भी पेश की। उन्होंने लोगों को खुले में लकड़ी जलाने से रोकने के लिए हीटर उपलब्ध कराने और प्रदूषण कम करने हेतु पानी के छिड़काव जैसी पहल का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया जिनमें आरोप था कि सरकार वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) निगरानी स्टेशनों के आसपास पानी छिड़ककर आंकड़ों को कम दिखाने की कोशिश कर रही है।

"यमुना की सफाई "युद्ध स्तर पर" जारी है"

रेखा गुप्ता ने छठ पूजा के दौरान प्रदूषित यमुना नदी के पास "नकली तालाब" बनाने के आरोपों को भी मनगढ़ंत बताया। उन्होंने यमुना की सफाई को "एक बड़ी परियोजना" कहा, जिसमें सभी प्रमुख नाले मिलते हैं। उन्होंने कहा कि "यह एक दिन का काम नहीं है," और वादा किया कि यमुना की सफाई "युद्ध स्तर पर" जारी है, जिस पर उनकी सरकार सत्ता में आने के बाद से सक्रिय रूप से काम कर रही है।

आदि गंगा माँ गोमती स्वच्छता एवं निर्मलता अभियान की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

(जीएनएस)।

लखनऊ। आदि गंगा माँ गोमती की स्वच्छता, अविरलता एवं संरक्षण के उद्देश्य से कल आयोजित महत्वपूर्ण बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में गोमती की वर्तमान स्थिति, प्रदूषण स्रोतों और सामाजिक भागीदारी पर विस्तृत चर्चा हुई। माँ गोमती नदी में सीधे गिर रहे खुले 32 नालों के कारण बढ़ते प्रदूषण पर सभी सदस्यों ने गंभीर चिंता व्यक्त की। नालों के त्वरित बंदीकरण, एसटीपी कनेक्शन तथा वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु नगर निगम को विस्तृत अनुशंसा भेजने का निर्णय लिया गया। प्रदूषण स्रोतों की वास्तविक समय (रियल टाइम) मॉनिटरिंग की भी आवश्यकता महसूस की गई। गोमती को स्वच्छ रखने में जन भागीदारी को सर्वोपरि मानते हुए विशेष एक्शन प्लान तैयार किया गया। घाट-स्तरीय सफाई, प्लास्टिक-मुक्ति एवं वृक्षारोपण अभियान, स्कूल-कॉलेजों में 'गोमती जागरण' कार्यक्रम, सोशल मीडिया जागरूकता अभियान प्रतिदिन चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह विषय भी प्रमुखता से उठाया गया कि सरकारी विभागों की योजनाएँ फाइलों तक सीमित रह जाती हैं, जमीनी स्तर पर कार्यों में पारदर्शिता का अभाव है, नागरिक संगठनों को निगरानी एवं समीक्षा में शामिल किया जाए, पखवाड़ा-वार प्रगति रिपोर्ट

सार्वजनिक की जाए, 'जन-सुनवाई दिवस' हेतु प्रस्ताव भेजा जाए। माँ गोमती के प्रति सांस्कृतिक आस्था बढ़ाने हेतु ग्राम्य परंपराओं, नदी-लोकगीतों एवं लोक-अनुष्ठानों के पुनर्जीवन पर सहमति बनी। ग्रामीण कलाकारों को मंच देकर 'गोमती महोत्सव' आयोजित करने का प्रस्ताव, पारंपरिक गोमती आरती और जल-संरक्षण गीतों को पुनः प्रचलित करने की योजना बनाई गई उक्त अवसर पर निम्न सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे अनुराग पाण्डेय, श्वेता सिंह, गौरव दीक्षित, पंकज शुक्ला, संजीव श्रीवास्तव, राजेश शुक्ला, अरविंद जायसवाल, दीपक शुक्ला (दीपू), अरविंद पाण्डेय (मोनू), दिलीप मिश्रा, विनोद पाण्डेय, पवन मिश्रा, जयवीर यादव आदि। बैठक के अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया। 'आदि गंगा माँ गोमती को स्वच्छ, निर्मल और अविरल रूप में पुनर्जीवित करना हम सबका सामूहिक उत्तरदायित्व है।'

घुंघचाई पुलिस ने साइबर फ्रॉड गैंग के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया, बड़ी छापेमारी में 13 मोबाइल, 13 लैपटॉप, 3000 रुपये कैश, प्रिंटर और दो एलसीडी बरामद

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 6 दिसंबर घुंघचाई पुलिस ने साइबर फ्रॉड की बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पदार्फाश किया है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और छापेमारी में 13 मोबाइल, 13 लैपटॉप, 3000 रुपये नकद, एक प्रिंटर और दो छउऊस्क्रीन बरामद की हैं। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि यह गिरोह ऑनलाइन ठगी और फ्रॉड की कई बड़ी वारदातों को

अंजाम देता था।

पुलिस ने बताया कि गिरोह का तार दुबई से भी जुड़ा होने की आशंका है। आरोपी आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों का प्रयोग कर लोगों को फंसाते थे, जिससे लाखों रुपये की ठगी की जा चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

थाना प्रभारी ने कहा, "यह कार्रवाई साइबर अपराध के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण कदम है। हम इसी तरह के अन्य मामलों को भी जल्द सुलझाएंगे।" पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध नंबरों या मैसेजेस से बचने की सलाह दी है।

दहशत का चौराहाः पिहानी के गोपामऊ पर दिशाहीन अंधेरा, 'सरकारी कानून के डकैतों' ने छीनी राहगीरों की सुरक्षा!

(जीएनएस)।

लखनऊ। पिहानी का गोपामऊ पुलिस चौकी चौराहा अब सिर्फ सड़कों का मिलन स्थल नहीं, बल्कि "दहशत का चौराहा" बन चुका है! यहां से सांकेतिक बोर्ड (ऱ्ल्लौ) का गायब होना और सड़कों पर घातक अतिक्रमण ने रात के समय बाहरी लोगों की जान-माल को सीधे खतरे में डाल दिया है। यह लापरवाही नहीं, प्रशासन की आंख के नीचे 'सरकारी कानून के डकैतों' द्वारा रची गई एक खतरनाक साज़िश लग रही है। लाशों का भय और अनहोनी का साया कल्पना कीजिएः रात के सन्नाटे में, कोई बाहरी

परिवार शादी या आपातकाल में यहाँ फँस जाए। चारों दिशाओं में जाने वाली सड़कों का कोई पता नहीं, कोई दिशा-सूचक नहीं! यात्री भ्रमित होते हैं, गलत रास्ते पर निकल जाते हैं, और हाईवे या अनजान ग्रामीण सड़कों पर हादसे का शिकार होते हैं। यह सिर्फ रास्ता भटकना नहीं है, यह प्रशासन की अनदेखी से बढ़ती दुर्घटनाओं और संभावित लाशों का भय है। गोपामऊ चौकी के ठीक सामने, अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों ने जिस तरह से दिशा बताने वाले एकमात्र पत्थर के खंभे को दफन कर दिया है, वह उनकी खुली गुंडागर्दी का प्रमाण है। ये लोग सिर्फ अपनी दुकान का सामान नहीं रख रहे, बल्कि सड़क सुरक्षा के नियमों को कुचल रहे हैं। पुलिस को खुली चुनौती दे रहे अतिक्रम करने वाले दुकानदार स्थानीय लोगों में भारी रोष है। उनका साफ कहना है कि ये दुकानदार "मौत के एजेंट" की तरह काम कर रहे हैं, जो अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए अनजाने लोगों को जोखिम में डाल रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पिहानी प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल की कड़ी चेतावनी के बावजूद, इन निर्भीक अतिक्रमणकारियों पर कोई असर नहीं हुआ है। क्या इन दुकानदारों के ऊपर किसी सत्ता के डकैत का हाथ है जो इन्हें पुलिस और नगर पालिका दोनों के आदेशों को धता बताने की हिम्मत दे रहा है? पिहानी प्रशासन को तुरंत जागना होगा। अगर प्रशासन ने अगले 24 घंटों में सांकेतिक बोर्ड नहीं लगवाए और इस जानलेवा अतिक्रमण पर बुलडोजर नहीं चलाया, तो होने वाली किसी भी अनहोनी की पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद और पुलिस प्रशासन की होगी। दुकानदारों कान खोलकर सुन लेंः आपकी लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि समय रहते आपने अपना सामान नहीं हटाया, तो केवल चालान नहीं कटेगा, बल्कि आपके अवैध कब्जे को हमेशा के लिए जमींदोज कर दिया जाएगा और आपके खिलाफ राहगीरों की सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी। यह सिर्फ चेतावनी नहीं, प्रशासन का अंतिम अल्टीमेटम है।

भारतीय वैश्य महासभा ने टॉवर चौक पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा का गर्मजोशी से किया स्वागत

" पूरे उत्साह व जोश से की गई पुष्प वर्षा"

(जीएनएस)।

लखनऊ। देवधर क्षेत्र के स्थानीय टॉवर चौक पर भारतीय वैश्य महासभा द्वारा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा का पूरें गर्मजोशी से स्वागत किया। मौके पर भारतीय वैश्य महासभा के जिला अध्यक्ष प्रभाष गुप्ता, महासभा के झारखंड प्रान्त के प्रान्तीय महामंत्री दिवाकर गुप्ता, झारखण्ड प्रदेश महिला महासचिव ममता गुप्ता,

रीता चौरसिया, के डी चौधरी, सुप्रिया कुमारी, कमल बरनवाल इत्यादि अनेको ने पूरे उत्साह व जोश से गुलाब फूल व पुष्प वर्षा कर राष्ट्रीय नेता का स्वागत किया गया। साथ ही स्वागत में ढोल, गाजे-बाजे मौजूद थे।

एलडीए के आदेश बेअसर, सीज बिल्डिंग पर जारी है निर्माण, नाका पुलिस पर उठे सवाल

(जीएनएस)।

लखनऊ। आपको बताते चलें गणेश गंज चौकी क्षेत्र में एलडीए द्वारा सीज की गई बिल्डिंग पर निर्माण कार्य रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जोन 6 की जोनल अधिकारी वंदना पांडे द्वारा बिल्डिंग सीज करने के बाद थाना नाका पुलिस को बाकायदा पत्र भेजकर अवगत कराया गया था और पुलिस अभिरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। लेकिन इसके बावजूद दबंग बिल्डर ने एलडीए के आदेशों को दरकिनार करते हुए निर्माण कार्य दोबारा शुरू करा दिया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस की मौजूदगी के बावजूद काम जारी है, जिससे यह

सवाल खड़ा हो रहा है कि कहीं क्षेत्रीय पुलिस एलडीए के आदेशों को नजरअंदाज तो नहीं कर रही? सूत्रों का दावा है कि बिल्डर लगातार दबाव बनाकर निर्माण कार्य करा रहा है और पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई न होने से उसकी मनमानी बढ़ती जा रही है स्थानीय निवासियों ने एलडीए और उच्च पुलिस अधिकारियों से मांग की है कि सीज बिल्डिंग पर जारी अवैध निर्माण को तुरंत रोका जाए और आदेश की अवहेलना करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर : भारत सरकार की टीम ने किया वर्चुअल असेसमेंट

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव से सम्बद्ध पंचायत भवन बड़ागांव मे संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शनिवार को भारत सरकार की टीम ने

वर्चुअल असेसमेंट किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर असेसमेंट के सभी मानकों पर दुरुस्त मिला।

समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव के अधीक्षक डा0 राधेश्याम गौड़, सीएमओ कार्यालय से आये मेंटर अनुपम वर्मा, सीएचओ सोनम की टीम ने शनिवार को वर्चुअल असेसमेंट कराया। भारत सरकार की दो दिवसीय टीम मे शामिल डा0 येरुवा पापीरेड्डी एव डा0 कोशिक राय ने चेक लिस्ट के मुताबिक, सभी मानकों का गहन एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया इस दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तैनात सीएचओ सोनम व एएनएम विजय लक्ष्मी से भारत सरकार की टीम ने सवाल-जवाब भी किए। वर्चुअल माध्यम से आयुष्मान आरोग्य मंदिर व उसके परिसर को देखा गया।

सीएचसी अधीक्षक डॉ0 राधेश्याम गौड़ ने बताया कि सीएचसी बड़ागांव में नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैन्र्ड का यह सातवां असेसमेंट है। असेसमेंट की सफलता के लिए पूरी टीम के सहयोग की सराहना की उन्होंने ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण जनता को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा उपलब्ध

कराने के लिए भारत सरकार की ओर से नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत क्षेत्र में भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर चयनित किए गए हैं। इससे ग्रामीण स्तर पर गुणवत्ता परक और आवश्यक संसाधन सहित स्वास्थ्य सेवाएं आम जनमानस को मिल सके।

इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, पंचायत सचिव जैसराम, पंचायत सहायक सैय्यदा बानो, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सरोज गुप्ता, स्वेतलता श्रीवास्तव, रेखा देवी, प्रमिला श्रीवास्तव, सुमन गुप्ता, गुड्डी गुप्ता, आशा बहू रेशमा यादव, सुनीता नाग, अंजू रस्तोगी, गायत्री यादव, वंदना वर्मा, विमला देवी, विनोद कुमारी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रही।

उपायुक्त ने की केंदुआडीह में जहरीली गैस स्राव मामले में बीसीसीएल सीएमडी तथा टेक्निकल टीम के साथ बैठक

गैस स्राव के कारणों, रोकथाम तथा राहत बचाव कार्यों की हुई समीक्षा बैठक में प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को तत्काल विस्थापित कर सुरक्षित स्थानों में शिफ्ट करने पर जोर

(जीएनएस)।

आज दिनांक 06 दिसंबर 2025 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन की अध्यक्षता में केंदुआडीह में जहरीली गैस स्राव मामले में बीसीसीएल सीएमडी तथा टेक्निकल टीम के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान गैस स्राव के कारणों, रोकथाम तथा राहत कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को तत्काल विस्थापित कर सुरक्षित स्थानों में शिफ्ट करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बीसीसीएल के तकनीकी टीम के एक्सपर्ट्स ने बताया कि केंदुआडीह के बस्तियों और एनएच के दोनों ओर से गैस रिसाव हो रहा। इसलिए बेहतर होगा कि गाड़ियां धिमी गति से चले और जितनी जल्दी हो सके आसपास की बस्तियों को खाली कराकर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए।

उपायुक्त श्री आदित्य रंजन ने आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को एनडीआरएफ को पत्र लिख मामले की समुचित जानकारी देते हुए सुरक्षा की दृष्टि से एक्सपर्ट टीम मांग कर असेसमेंट कराने के निर्देश दिए। साथ ही एनएच को भी पत्र भेज सड़क की जांच कर अध्ययन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रभावित बस्तियों में कैंप लगा कर जल्द से जल्द सर्वे कराया जाए ताकि शिफ्ट करने वाले परिवारों की संख्या पता चल सके और उन्हें इच्छा अनुसार बेलगड़िया या कमार्टांड़ टाउनशिप में शिफ्ट कराया जा सके। उपायुक्त ने बताया कि आज कई परिवारों को बेलगड़िया टाउनशिप का भ्रमण कराया गया है ताकि लोग जल्द से जल्द प्रभावित क्षेत्रों से शिफ्ट हो सके।

पीलीभीतः बीसलपुर महोत्सव की धूम शुरू—रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, ताई कमांडो व फिटनेस चैलेंज से गूंजेगा इलाका!

(जीएनएस)।

बीसलपुर महोत्सव का आयोजन मां सरस्वती का दीप जलाकर शुभारंभ किया हमारे मुख्य अतिथि विधायक विवेक वर्मा जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के संगीत प्रताप सिंह ने किया आयुष मिश्रा जिला मंत्री पीयूष मिश्रा सभी लोग मौजूद रहे

बीसलपुर तहसील बीसलपुर में सांस्कृतिक उत्साह का बुखार चढ़ने वाला है। 6 और 7 दिसंबर को होने वाले बीसलपुर महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम, ताई कमांडो प्रतियोगिताएं, हेल्थ फिटनेस चैलेंज व लोक नृत्य का आयोजन होगा। यह वार्षिक महोत्सव स्थानीय युवाओं को ऊर्जा देने का बड़ा मंच बनेगा, जहां हजारों लोग जुटकर तराई क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को नई जान देंगे।

महोत्सव का पूरा शेड्यूलः

पहला दिन (6 दिसंबर): उद्घाटन समारोह के बाद ताई कमांडो व मार्शल आर्ट्स की रोमांचक प्रतियोगिताएं। युवा लड़कियां-लड़के अपनी ताकत व अनुशासन दिखाएंगे। इसके अलावा, लोक गीतों पर आधारित डांस परफॉर्मेंस व स्वास्थ्य जागरूकता पर सेमिनार। शाम को कवि सम्मेलन से माहौल रंगीन।

दूसरा दिन (7 दिसंबर): हेल्थ फिटनेस चैलेंज—रनिंग रेस, योगा सेशन व बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन।

महिलाओं के लिए स्पेशल सेल्फ-डिफेंस वर्कशॉप। रात में सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकारों के साथ बॉलीवुड डांस व फोक सॉन्ग्स। स्ट्रीट फूड जोन में पारंपरिक व्यंजन व शॉपिंग स्टॉल्स भी लगेंगे।

मुख्य आयोजक सत्य प्रकाश बिट्टू, राम धीरज व उमंग पाठक ने बताया, "यह महोत्सव बीसलपुर की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करेगा। पिछले 12 वर्षों से चल रहा यह आयोजन समुदाय को एकजुट करता है। ताई कमांडो व फिटनेस इवेंट्स से युवाओं में स्वास्थ्य व सुरक्षा की भावना जागेगी।" सूरजभान पीजी डिग्री कॉलेज के मैदान पर होने वाले इस महोत्सव में सुरक्षा, पार्किंग व मेडिकल सुविधाओं की पुख्ता व्यवस्था होगी।

महोत्सव का महत्वः

तराई क्षेत्र का यह प्रसिद्ध आयोजन न केवल मनोरंजन देगा, बल्कि सामाजिक संदेश भी। स्थानीय युवा नेता ने कहा, "फिटनेस व ताई कमांडो जैसे इवेंट्स से स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ेगी, खासकर महिलाओं व बच्चों में।" पिछले वर्ष 5 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए थे—इस बार भी भीड़ की उम्मीद। प्रशासन ने ट्रैफिक व भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष टीम तैनात की।

तैयारियां जोरों पर हैं। आयोजकों ने स्थानीय स्कूलों व कॉलेजों से कलाकारों को आमंत्रित किया। बीसलपुर महोत्सव से इलाके में सकारात्मक ऊर्जा फैलेगी। बीसलपुर महोत्सव का आयोजन मां सरस्वती का दीप जलाकर शुभारंभ किया हमारे मुख्य अतिथि विधायक विवेक वर्मा जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के संगीत प्रताप सिंह ने किया आयुष मिश्रा जिला मंत्री पीयूष मिश्रा सभी लोग मौजूद रहे

आलमबाग पुलिस ने किया 10 घण्टे के अंदर चोरी की घटना का खुलासा

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ कमिश्नरेट के डीसीपी मध्य के दिशा-निर्देशन पर एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल के नेतृत्व में इंस्पेक्टर आलमबाग सुभाष चन्द्र सरोज की मेहनत लाई रंग। थाना आलमबाग क्षेत्र सत्यम स्टोर की दुकान की पीछे की दीवार काट कर चोरी की घटना को दिया था चोरो ने अंजाम 10 घण्टे में किया चोरी की घटना का खुलासा आलमबाग पुलिस टीम ने चोरी की घटना को अंजाम देने वाले 4 अभियुक्त को दबोच कर दिखाया हवालात का रास्ता गिरफ्तार 4 अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस टीम ने किया चोरी के 29,559 रुपय नगद व एक डीवीआर व एक वीवो का मोबाइल फोन भी किया बरामद गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी आलमबाग सुभाष चन्द्र सरोज के नेतृत्व में एसआई सुनील मोतला,

एसआई अंकित कुमार चौहान, एसआई धीरज यादव की जबरदस्त कार्यवाही और रही अहम भूमिका।